निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के सबसे उपयुक्त उत्तर वाले वकल्प को चुनिए**(C-TET 20 DECEMBER 2021)**

दर्शन वस्तुत: अपने आप को जानने की जीवन पर्यंत चलने वाली शक्षा है। दर्शन का तात्पर्य ही देखना है यहाँ देखने का अर्थ जानना ही है। आत्मा क्या है? आत्म-ज्ञान क्या है? यह कैसे और कसे होता है? यह सब ववाद का वषय हो सकता है। परंतु आत्म-ज्ञान को आदर्श मानकर निरंतर आत्म-निरीक्षण करते रहने से व्यक्ति मानव चेतना के उत्तरोत्तर वकासमान उच्च से उच्चतर सोपानों को अवश्य प्राप्त करता है। यह नि र्ववाद है। हम प्राय: आत्म-प्रवंचना में जीते हैं। हम यथार्थ में होते कुछ और है तथा दिखाई देते हैं कुछ और। अपने दोषों को पहचानने और स्वीकार करने की अपेक्षा उनके औ चत्य को सद् करने में सारी शक्ति लगा देते हैं। व्यक्ति यदि असत्य भाषण को दोष न मानकर सफलता का सूत्र मानता है तो

इसे दूर करने की अपेक्षा ऐसा तरीका सीखना पसंद करेगा जिससे वह अ धक कुशलता से झूठ बोल सके। आत्म-दर्शन अपने दोष को दोष रूप में और गुण को गुण रूप में स्वीकार करना है। दोष या दुर्गुण समाज में निंदनीय और अस्वीकार्य होते है इस लए अपने दुर्गुणों को स्वीकार करने में साहस की आवश्यकता होती है। दुर्गुण को व्यक्तित्व की कमी के रूप में स्वीकार करने पर उसे दूर करने की गुंजाइश बराबर बनी रहती है। अत: आत्मदर्शन हमें आंतरिक वकास की ओर अग्रसर करता है। जीवन दर्शन का सच्चा शक्षक हमारा परिवेश है।

Q1.

दर्शन का तात्पर्य ‘देखना’ है। यहाँ ‘देखना’ कस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है?

(1) देखना

(2) दिखाई देना

(3) जानना

(4) दिखाना

उत्तर(3) जानना

व्याख्या-

Q2.

आत्म-दर्शन है-

(1) अपने गुण-दोष स्वीकारना

(2) दूसरों के दोष क्षमा करना

(3) स्वयं को निहारना

(4) दर्शनशास्त्र का अध्ययन करना

उत्तर(1) अपने गुण-दोष स्वीकारना

व्याख्या-

Q3.

दुर्गुण को दूर कया जा सकता है-

(1) उसे अपनाने से

(2) उसे स्वीकार करने से

(3) उसे छिपाने से

(4) दूसरों को बताने से

उत्तर(2) उसे स्वीकार करने से

व्याख्या-

Q4.

जीवन-दर्शन का सच्चा शक्षक है-

(1) समय

(2) दार्शनिक

(3) परिवेश

(4) वद्यालय

उत्तर(3) परिवेश

व्याख्या-

Q5.

अनुच्छेद के आधार पर कौन साहसी है?

(1) अपने दोषों को स्वीकार करने वाला

(2) अपने दोषों को छिपाने वाला

(3) अपने गुणों का वर्णन करने वाला

(4) अपने गुणों को छिपाने वाला

उत्तर(1) अपने दोषों को स्वीकार करने वाला

व्याख्या-

Q6.

आत्म दर्शन से.............. वकास होता है-

(1) आध्यात्मिक

(2) आंतरिक

(3) शारीरिक

(4) भावनात्मक

उत्तर(2) आंतरिक

व्याख्या-

Q7.

दुर्गुण में उपसर्ग तथा मूल शब्द है--

(1) दुर + गुण

(2) दुर् + गुण

(3) दूर् + गुण

(4) दु + गुण

उत्तर(2) दुर् + गुण

व्याख्या-

Q8.

आत्म-दर्शन का उ चत वग्रह है-

(1) आत्मा और दर्शन

(2) आत्मा का दर्शन

(3) आत्मा में दर्शन

(4) आत्मा या दर्शन

उत्तर(2) आत्मा का दर्शन

व्याख्या-

Q9.

समूह से भन्न शब्द छाँटिए-

(1) साहसी

(2) ज्ञानी

(3) वाणी

(4) तीखी

उत्तर(3) वाणी

व्याख्या-

Q10.

निम्न में से कौन-सा युग्म गलत है? (UP-TET 2018)

(1) मु ी गरम करना - रिश्वत देना

(2) लुटिया डूबना - सारा काम चौपट होना

(3) सब्ज बाग दिखलाना - हरा-भरा करना

(4) माई का लाल - साहसी व्यक्ति

उत्तर(3)सब्ज बाग दिखलाना - हरा-भरा करना

व्याख्या-

Q11.

निम्न ल खत में से कौन-सा शब्द देशज है? (UP-TET 2020)

(1) लाश

(2) औरत

(3) पतलून

(4) धड़ाम

उत्तर(4) धड़ाम

व्याख्या-

Q12.

'चार गज मलमल' में कौन-सा वशेषण है? (UP-TET 2017)

(1) संख्यावाचक वशेषण

(2) गुणवाचक वशेषण

(3) परिमाणबोधक वशेषण

(4) सार्वना मक वशेषण

उत्तर(3) परिमाणबोधक वशेषण

व्याख्या-

Q13.

‘चारु चन्द्र की चंचल करणें खेल रही है जल थल में’ में कौन-सा अलंकार है? (MP-TET 2019)

(1) उपमा अलंकार

(2) श्लेष अलंकार

(3) यमक अलंकार

(4) अनुप्रास अलंकार

उत्तर(4) अनुप्रास अलंकार

व्याख्या-

Q14.

‘यज्ञशाला’ शब्द में उपयुक्त समास का चयन करें? (H-TET 2016)

(1) तृतीया तत्पुरुष

(2) चतुर्थी तत्पुरुष

(3) पंचमी तत्पुरुष

(4) षष्ठी तत्पुरुष

उत्तर(2) चतुर्थी तत्पुरुष

व्याख्या-

Q15.

‘रीता गाना गाती है’ में कौन-सा वाच्य है? (H-TET 2018)

(1) भाववाच्य

(2) कर्मवाच्य

(3) कर्तृवाच्य

(4) इनमें से कोई नहीं

उत्तर(2) कर्तृवाच्य

व्याख्या-